UNIVERSITY NEWS 30 AUGUST 2026

DAINIK JAGRAN

एमबीए में अब कैट से प्रवेश

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने एमबीए प्रवेश नीति में बड़ा बदलाव किए जाने की घोषणा की है। इस शैक्षणिक सत्र से एमबीए में प्रवेश कामन एडमिशन टेस्ट (कैट) से भी किया गया, जो भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा है। इस कदम से लवि का प्रमुख प्रबंधन कार्यक्रम उसी राष्ट्रीय प्रवेश मंच पर आ गया है, जिसका उपयोग आइआइएम सहित देशभर के सैकड़ों प्रमुख संस्थान करते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग की अध्यक्ष प्रो. ऋतु नारंग ने कहा कि कैट आधारित प्रवेश की ओर यह बदलाव विभाग की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। लगभग सात दशकों से एलयू-एमबीए कठोर एवं सुलभ प्रबंधन शिक्षा का प्रतीक रहा है। हमने एमबीए और पीएचडी कार्यक्रमों के संपूर्ण पाठ्यक्रम को भी एनईपी-2020 के अनुरूप ढाला है। जो अभ्यर्थी इस वर्ष कैट में बैठ रहे हैं और लवि के एमबीए में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे कैट पंजीकरण व च्वाइस फिलिंग के समय अपनी पसंद के विकल्पों में यूनिवर्सिटी आफ लखनऊ- डिपार्टमेंट आफ मैनेजमेंट को अवश्य शामिल करें।

TIMES OF INDIA

LU mulls social media SOPs for reels shot on campus

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

Lucknow: A dance reel featuring a girl student of Lucknow University was criticised as much for the sleazy song in the background as for "tarnishing the image" of the university.

Almost every corner of the LU campus has now become a 'reel adda' for independent bloggers, students and aspiring models. While some users request, advise or criticise students for using the LU campus for reels, others appreciate their creativity.

Some reels showcase the creativity of LU Fine Arts College students through 'Glimpse of Arts Faculty of Lucknow' and creative performances by the university's cultural board, Sanskritiki, while a growing number is devoted to modelling and dance performances carrying captions such as 'attendance 0%, dance 100%'.

REINING IN REEL CULTURE?

The issue gained attention recently after LU sealed Lal Baradari, following reports that students had "unauthorisedly entered and made reels" inside dilapidated building.

Leads worth following

New Delhi: AIIMS, New Delhi issued comprehensive social media guidelines in Jun 2026 for students, residents, faculty, researchers and employees, including restrictions on the unauthorised use of its name, logo, emblem and official branding in content for social media. Gauhati University too restricted unauthorised vlogging and videography on campus, citing concerns related to security and discipline.

Former LU chief proctor and educationist Prof Nishi Pandey said, "A student should not assume that being enrolled in a university gives him/her right to use its official logo, its grading system as a branding element on Instagram/YouTube or in commercial/promotional content. Hence, students can't use or film the university logo, and those wanting to use it must write and seek permission. Any outsider who wants to shoot has to take permission," she said.

Pandey said there was a desperate need for guidelines specifically governing the use of LU's official structures and buildings by students. "Students have full freedom of speech, but they can't use the campus logo and campus to air personal views," she said.

She added that the university should also create a system to identify and promote good creative content and talent. "Social media is all over the place, hence, there must be guidelines for use of campus for online content," she said.

Educationist, career consultant and former LU gold medallist Amrita Dass said, "There should be a regulatory body for approving content, because if the content is objectionable, it will ruin the image of the university."

She said reputed institutions frame policies to protect their image and brand. "In the present AI age, digital scanning of the content is possible. A committee can do the needful and no content should allowed to be posted without approval," she said.

Former LU vice-chancellor Prof Roop Rekha Verma said, "We can't apply moral policing on students. Also, we can't judge what is decent or indecent, but there is need to establish good communication with students. Vice-chancellors should not control but win the trust of students. Reels that disturb classes or breach the institution's image should be discussed with students," she said.

Verma also suggested that LU should roll out a notice, after getting it passed by its executive committee, clarifying that the university's official logo would not be used.

LU student Ankit Singh, who submitted a reel assignment last year, said, "The university allows us to create Instagram reels and memes as mid-term academic assignments. This was introduced under the National Education Policy (NEP) guidelines to promote innovative and creative learning," said Ankit Singh. He said he does not support content that makes viewer cringe to be shot on campus but creativity in the form of reels should be allowed.

"Universities are spaces for expression and creativity. Well-made videos showcase campus architecture, cultural activities, festivals, student achievements, clubs, sports and academic work and a ban could become unnecessary moral policing," said Anirudh Desai, PhD student.

He said yes, but a set of rules to follow can be made, such as no filming during classes or examinations, in restricted or unsafe areas, no filming of confidential documents, laboratories or sensitive facilities, and no obscene content.

AMAR UJALA

लविवि : सीटें न भरने से अब सीधे प्रवेश का मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के परास्नातक पाठ्यक्रमों की खाली सीटों पर सीधे प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन अभ्यर्थियों ने लविवि के किसी भी पीजी कोर्स में आवेदन किया था, वे 31 अगस्त तक प्रवेश कार्यालय (मैत्री भवन) में आवेदन जमा कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत कुल 43 पाठ्यक्रमों में दाखिला दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि विश्वविद्यालय में सीटें न भर पाने की वजह से यह सीधा प्रवेश का मौका दिया गया है।

प्रवेश समन्वयक अनित्य गौरव ने बताया कि एमए, एमएससी, एमकॉम और एमटेक सहित विभिन्न विषयों में सीटें उपलब्ध हैं। इनमें डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स, एआई एंड मशीन लर्निंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। योग, पब्लिक पॉलिसी और वूमेन स्टडीज जैसे महत्वपूर्ण विषयों में भी प्रवेश होंगे। आवेदन के साथ सत्र 2026-27 के पीजी आवेदन की प्रतिलिपि लगाना होगा। साथ ही स्व प्रमाणित प्रार्थना पत्र और आधार कार्ड की छायाप्रति भी जमा करनी होगी।

43 परास्नातक पाठ्यक्रमों में कल तक करें आवेदन

■ **इन विषयों में होंगे दाखिले :** एमए प्राचीन भारतीय इतिहास व पुरातत्व , एमए महिला व जेंडर अध्ययन, एमए आचार्य , एमए लोक नीति और शासन , एमए अरब संस्कृति, मास्टर ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज, एमए अरबी, एमएससी, पर्यावरण विज्ञान, एमए कंपोजिट हिस्ट्री ,एमएससी कंप्यूटर साइंस, सेल्फ फाइनेंस, एमए रक्षा अध्ययन, एमएससी डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स , एमए फ्रेंच, एमएससी, एआई और मशीन लर्निंग, एमए वास्तु शास्त्र , एमएससी, साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक , एमए सीसीजेए, एमए ज्योतिष विज्ञान, एमए गृह विज्ञान ,एमए भाषा विज्ञान, एमए संस्कृत, एमए फ़ारसी एमए उर्दू, एमबीए फार्मास्युटिकल, प्रबंधन एमएससी नवीकरणीय ऊर्जा , एमएससी, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी, एमए/एमएससी योग, एम टेक कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पार्ट-टाइम प्रवेश होगा।

यदि रिक्त सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। दाखिला स्नातक के प्राप्तांक प्रतिशत की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं।

LU में नहीं भरी सीटें, डायरेक्ट ऐडमिशन

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में यूजी में दाखिले के लिए भीड़ है, लेकिन पीजी की कई सीटें खाली रह गई हैं। इसे भरने के लिए विवि ने 44 पीजी पाठ्यक्रमों में डायरेक्ट प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की है। विवि के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने किसी पीजी कोर्स में आवेदन किया था लेकिन प्रवेश नहीं मिला, वे अब खाली सीटों पर सीधे आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए प्रवेश कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करना होगा। अंतिम तारीख 31 अगस्त है। प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता अनिवार्य है। अगर एक सीट पर कई आवेदन आते है तो चयन स्नातक में मिले अंकों की मेरिट से होगा।

VOICE OF LUCKNOW

समाज के लिए सार्थक योगदान दें युवा : प्रो. एमके अग्रवाल

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के अर्थशास्त्र विभाग में 11वें दीक्षांत समारोह का शनिवार को आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार अग्रवाल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे उत्कृष्ट प्रदर्शन करें, निरंतर प्रगति करें तथा समाज के लिए सार्थक योगदान दें। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र की उन्नति एवं विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के प्रति भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2021-23, 2022-24, 2023-25 एवं 2024-26 के कुल चार बैचों के विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। एमए अर्थशास्त्र, एमएससी अर्थशास्त्र तथा पीएचडी पूर्ण कर चुके शोधार्थियों सहित कुल 91 विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए कुल 14 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इनमें 8 स्वर्ण पदक एमए अर्थशास्त्र तथा 6 स्वर्ण पदक एमएससी अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को प्रदान किए गए। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सनातन नायक उपस्थित रहे। साथ ही विभाग के प्रोफेसर डीके यादव, प्रो. सुरेंद्र मेहर, डॉ. बैकुंठ रॉय सहित अन्य संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

AAJ

लविवि में अब कैट के माध्यम से मिलेगा एमबीए में प्रवेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी एमबीए प्रवेश नीति में एक बड़ा बदलाव किए जाने की घोषणा की है। इस शैक्षणिक सत्र सेए एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश कॉमन एडमिशन टेस्ट कैट के माध्यम से भी किया गया, जो भारतीय प्रबंधन संस्थानों द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा है। इस कदम से लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रमुख प्रबंधन कार्यक्रम उसी राष्ट्रीय प्रवेश मंच पर आ गया है, जिसका उपयोग आईआईएम सहित देश भर के सैकड़ों प्रमुख बी.स्कूल करते हैं। इस बारे में बोलते हुए, प्रबंधन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो ऋतु नारंग ने कहा कि कैट.आधारित प्रवेश की ओर यह बदलाव विभाग की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। लगभग सात दशकों से लुम्बा कठोर एवं सुलभ प्रबंधन शिक्षा का प्रतीक रहा है।

HINDUSTAN

46 कोर्स में नहीं भरी सीटें, सीधे प्रवेश

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक के 46 पाठ्यक्रमों में खाली रह गई सीटों पर अब सीधे प्रवेश का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय के प्रवेश कार्यालय ने 27 अगस्त को यूजी के तीन और पीजी के 43 पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की सूचना जारी की है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है।

खास बात यह है कि सीधे प्रवेश के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा जिन्होंने स्नातक अथवा संबंधित प्रवेश प्रक्रिया में आवेदन किया है। सूचना के मुताबिक यूजी स्तर पर बीए/बीएससी योग, शास्त्री और बीफार्मा (लेटरल एंट्री) में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश लिया जाएगा।

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रवेश कार्यालय में आवेदन करना होगा। यूजी में विवि ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित न्यूनतम योग्यता पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध यूजी प्रवेश विवरणिका-2026 में दी गई न्यूनतम योग्यता देखना अनिवार्य होगा।

■ **एलयू ने यूजी के तीन पीजी के 43 कोर्स में सीधे प्रवेश की सूचना जारी की**

पीजी में भी अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पीजी प्रवेश विवरणिका-2026 में निर्धारित न्यूनतम योग्यता देखना अनिवार्य होगा। प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त बताई गई है।

HINDUSTAN

एलयू में एमबीए करने के लिए कैट से भी होंगे प्रवेश

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी एमबीए प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इस सत्र से कॉमन एडमिशन टेस्ट के जरिए भी प्रवेश देने का फैसला किया है। कैट का आयोजन भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) द्वारा किया जाता है और देश के कई प्रमुख प्रबंधन संस्थान इसके स्कोर को मान्यता देते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो ऋतु नारंग ने विभाग के लिए एक अहम कदम बताया। उनके मुताबिक इस बदलाव से देशभर के छात्रों को लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए करने के अधिक अवसर मिलेंगे, साथ ही प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप, अधिक पारदर्शी और व्यापक बनेगी। उन्होंने कैट परीक्षार्थियों से अपील की कि वे पंजीकरण में विकल्पों में लखनऊ विश्वविद्यालय/प्रबंधन विभाग लुम्बा को अवश्य शामिल करें। बता दें कि अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं वेबसाइट देख सकते हैं।